

हो गई बिरज में- जा बैस बसुरिया  
मैं तेरी राधा- है तू सँवारिया.

मैं दही बेंचन बूज में आई  
बूज में आई- कान्हा- बूज में आई  
बंशी की धुन पे- बजी- जा पायलिया  
हो गई बिरज----

मोर मुकुट- पीताम्बर पहने  
पीताम्बर पहने- पीताम्बर पहने  
मूर्तियन की माला- नूपुर करधनियाँ  
हो गई बिरज----

ग्वाल- बाल संग फोरे मटकिया  
फोरे मटकिया फोरे मटकिया  
देखल को सीधो- बड़ो री हुलबालिया  
हो गई बिरज----



यशुदा- जा गत लाला कीन्ही  
लाला कीन्ही. लाला कीन्ही  
जानें कहाँ गई - मेरी नथुनियाँ

हो गई बिरज - - -

काम काज सब बिसर गई मैं  
बिसर गई मैं. बिसर गई मैं  
जा वंशी हो गई. ऐसी सौतनिया

हो गई बिरज - - -

देख "श्रीबाबाश्री" गत कर दई भारी  
कर दई भारी- कर दई भारी  
सास मोरी लरहे- लरहे जिठनियाँ

हो गई - - -